धान में अव”ोश प्रबंधन हेतु खेत दिवस का आयोजन

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना के अन्तर्गत 2 अक्तूबर, 2017 को कैथल जिले के गाँव कठवाड़ में खेत दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आस–पास के गाँवों के लगभग 80 किसानों ने भाग लिया। परियोजना समन्वयक डा. प्रवेन्द्र श्योराण ने धान की पराली जलाने तथा इसके द्वारा मृदा स्वास्थ्य एवं वातारण पर पड़ने वाले विपरोत असर बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में जहां क्षारीय मृदाएं हैं वे पानी कम सोखती ह, फसल अव”ोष वापस मृदा में मिलाने से न केवल भूमि में पानी सोखने की क्षमता बढ़ेगी बल्कि इसके साथ–साथ पौधों की बढ़वार हेतु आव”यक तत्वों की भी पूर्ति होगी। धान की पराली जलाने पर उत्पन्न हानिकारक गैसों से भी वातावरण दूषित होता है जिससे सांस लेने और सेहत पर विपरीत असर पड़ता है। धान में अव”ोष प्रबंधन हेतु किसानों को ’मलचर’ तथा ’हैप्पी सीडर’ चलाकर दिखाया गया जिससे किसान काफी प्रभावित थे। कंबाइन हार्वेस्टर द्वारा धान की कटाई करवाने के बाद ’मलचर’ पराली को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर फैला देता है जिससे उसके जल्दी गलकर मृदा उर्वरता तथा स्वास्थ्य बढ़ाने में योगदान रहता है। धान में खड़े ठूंठों में हैप्पी सीडर द्वारा गेहूँ की सीधी बीजाई की जा सकती है। ऐसा करने पर न केवल धान की पराली को जलाने से छुटकारा मिलेगा बल्कि इसके द्वारा मृदा स्वास्थ्य में सुधार हागा और गेहूँ की अच्छी पैदावार प्राप्त होगी। डा. श्योराण ने भारत के प्रधानमन्त्री के आह्वान पर मनाए जा रहे गाँधी जयंती के मौके पर ’स्वच्छता ही सेवा’ कार्यक्रम के अन्तर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन कर किसान भाइयों को सफाई के महत्व के बारे में भो बताया।

खेत दिवस
फार्मर फस्ट परियोजना